B.A. (Honours) Semester-III Examination 2014
HINDI (Subsidiary)
Paper : S2.5

Time : Three Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्ही **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए — 8×2 =16

(क) जालपा ने नाक सिकोड़कर कहा– मेरी बला से, रानी रुठेंगी अपना सुहाग लेंगी। मै उनकी दया के बिना भी जीती रह सकती हूँ। आज इतने दिनों के बाद उन्हें मुझ पर दया आयी है। उस वक्त न आयी थी, जब मैं उनके घर से बिदा हुई थी। उनके गहने उन्हें मुबारक हों। मैं किसी का एहसान नहीं लेना चाहती। अभी उनके ओढ़ने पहनने के दिन हैं। मैं क्यों बाधक बनूँ। तुम कुशल से रहोगे, तो मुझे बहुत गहने मिल जायेंगे। मैं अम्माजी को यह दिखाना चाहती हूँ कि जालपाा तुम्हारे गहनों की भूखी नहीं है।

(ख) मेरे पैरों के नीचे से मिट्टी खिसकने लगी। आँखो के आगे अँधेरा छा गया। मैं गूँगा बन गया। मुझे इसी हालत में छोड़कर चुन्नीं चला गया। घुटनों पर कपार रखकर मैं गुमसुम उसी तरह बैठा रह गया। मेरे मन में किसिम-किसिम के भाव उठ रहे थे।

(ग) मैं शादी से बहुत नफरत करती हूँ। शादी अपने को दिया जाने वाला सबसे बड़ा धोखा है। देखिए, ये मेरे भाई हैं न, कैसे पीले और बीमार से हैं। ये पहले तन्दुरुस्त और टेनिस में प्रान्त के अच्छे खिलाड़ियों में से थे।

(घ) हमने तय कर लिया। इस अमीर तैमूर की औलाद हैं। हमारे बुजुर्गों ने जो कुछ कह दिया वही होगा। उन्होंने तम्बू के नीचे की जगह फिरिङ्गियों को बख्स दी थी। अब अगर दिल्ली भी तम्बू के नीचे आ रही हो, तो आवे, मुगल सल्तनत जाती है तो जाय, लेकिन दुनिया यह देख ले कि अमीर तैमूर की औलाद हमेशा कौल की पक्की रही है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए — 12×2 =24

(क) 'गबन' उपन्यास के प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए।
(ख) 'बलचनमा' उपन्यास के आधारपर 'बलचनमा' का चरित्र चित्रण कीजिए।
(ग) 'गुनाहों का देवता' उपन्यास के आधार पर सुधा का चरित्र चित्रण कीजिए।
(घ) 'जिंदगी और जोंक' कहानी की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।